पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

धर्मेंद्र की हालत नाजुक वेंटिलेटर पर रखा गया

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 208 ■ बुधवार 12 नवंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव आरक्षण ड्रा की घोषणा

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव 2025

महिलाओं के लिए बड़ा मौका

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के 2025 के मनपा चुनाव में कौन किस वार्ड से चुनाव लड़ेगा, किस पार्टी को झटका लगेगा और किसका 'निर्धारित' वार्ड अचानक महिला या पिछड़ा वर्ग आरक्षण में चला जाएगा, इस पर पर्दा उठ गया है और शहर की राजनीति में हलचल मच गई। यह प्रक्रिया मंगलवार दोपहर टाउन हॉल स्थित शहीद जनरल अरुण कुमार वैद्य हॉल में संपन्न हुई। पार्टी नेता, इच्छुक उम्मीदवार, पदाधिकारी और नागरिक ड्रा के इस क्षण को बेसब्री से देख रहे थे।

कुल सदस्य: 78
अनुसूचित जाति: 13
अनुसूचित जनजाति: 1
पिछड़ा वर्ग: 21
सामान्य: 43
महिला आरक्षण: 39

उल्हासनगर मनपा चुनाव 2025 का राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आरक्षण ड्रा, मंगलवार दोपहर 3 बजे संपन्न हुआ। यह ड्रा आयुक्त मनीषा अव्हाले, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस और चुनाव विभाग की उपायुक्त विशाखा मोटघरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस ड्रॉ ने पूरे शहर का अभूतपूर्व ध्यान आकर्षित किया। कई दलों का राजनीतिक भविष्य इस बात पर निर्भर था कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण कहाँ और सामान्य महिला आरक्षण किन वार्डों में लागू होगा। हॉल में नागरिकों, राजनीतिक नेताओं, पार्षदों, पदाधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों की भारी भीड़ जमा थी। जैसे ही ड्रॉ का एक-एक टिकट खुला, हॉल का माहौल पल भर में बदल गया। कहीं खुशी के नारे लगे, कहीं नाराजगी के संकेत, कहीं आश्चर्य के भाव, तो कहीं राहत की साँसें।'

आपत्तियाँ और सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश

आपत्तियाँ स्वीकार करने की अवधि 17 नवंबर से 24 नवंबर, 2025 (दोपहर 3 बजे तक) है। उल्हासनगर नगर निगम ने सूचित किया है कि आपत्तियाँ उल्हासनगर नगर निगम मुख्यालय, चुनाव कार्यालय और संबंधित वार्ड कार्यालयों के मुख्यालय में व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत की जानी चाहिए। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन, ईमेल या वेबसाइट के माध्यम से भेजी गई कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की

आरक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता

नगरपालिका चुनाव विभाग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखा।

- प्रत्येक वार्ड की श्रेणी एक बड़ी स्क्रीन पर तुरंत प्रदर्शित होती है।
- इस प्रक्रिया की निगरानी अधिकारियों, निरीक्षकों और जनप्रतिनिधियों द्वारा की जाती है।
- नागरिकों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का अवसर दिया जाता है।
- पूरी कार्यवाही वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से रिकॉर्ड की जाती है।

प्रभाग आरक्षण

■ पैनल संख्या - 1
A - अनुसूचित जाति
B - अनुसूचित जनजाति महिला
C - अन्य पिछड़ा वर्ग
D - सामान्य महिला

■ पैनल संख्या - 2
A - अन्य पिछड़ा वर्ग
B - सामान्य महिला
C - सामान्य महिला
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 3
A - अनुसूचित जाति महिला
B - अन्य पिछड़ा वर्ग
C - सामान्य महिला
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 4
A - अनुसूचित जाति
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
C - सामान्य महिला
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 5
A - अन्य पिछड़ा वर्ग
B - सामान्य महिला
C - सामान्य महिला
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 6
A - ओबीसी
बी - सामान्य महिला
सी - सामान्य महिला
डी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 7
ए - एससी महिला
बी - ओबीसी महिला
सी - सामान्य
डी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 8
ए - एससी महिला
बी - ओबीसी महिला
सी - सामान्य
डी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 9
ए - ओबीसी
बी - सामान्य महिला
सी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 10
ए - एससी
बी - ओबीसी महिला
सी - सामान्य महिला
डी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 11
ए - ओबीसी महिला
बी - ओबीसी
सी - सामान्य महिला
डी - सामान्य

■ पैनल संख्या - 12
ए - एससी महिलाएँ
B - ओबीसी
C - सामान्य महिलाएँ
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 13
A - अनुसूचित जाति
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिलाएँ
C - सामान्य महिलाएँ
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 14
A - अनुसूचित जाति महिलाएँ
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिलाएँ
C - सामान्य
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 15
A - अनुसूचित जाति
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिलाएँ
C - सामान्य महिलाएँ
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 16
A - अन्य पिछड़ा वर्ग
B - सामान्य महिलाएँ
C - सामान्य महिलाएँ
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 17
A - अनुसूचित जाति
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिलाएँ
C - सामान्य महिलाएँ
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 18
A - अनुसूचित जाति महिला
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
C - सामान्य
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 19
A - अन्य पिछड़ा वर्ग
B - सामान्य महिला
C - सामान्य महिला
D - सामान्य

■ पैनल संख्या - 20
A - अनुसूचित जाति महिला
B - अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
C - सामान्य

कुत्तों ने 2 साल की बच्ची को नोचा

ठाणे. ठाणे में आवारा कुत्तों के आतंक ने एक दर्दनाक रूप ले लिया है, जहां 2 साल की एक बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया.

इस घटना के बाद शिवसेना (UBT) नेता रोहित दास मुंडे ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है. रोहित दास मुंडे ने कहा, 'अगर ठाणे नगर निगम ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं की, तो हम इलाके के सभी कुत्तों को इकट्ठा कर नगर निगम के कार्यालय में छोड़ देंगे'.

रेखा ठाकुर का भाजपा में प्रवेश

पूर्व नगरसेविका व सिंधू एज्युकेशन सोसायटी की संचालिका श्रीमती रेखा ठाकुर ने आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चौहान की उपस्थिति में भाजपा में प्रवेश पा लिया है। रेखा ठाकुर कालानी खेमे से वर्षों से जुड़ी हुई थी। उल्हासनगर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने कहा कि यह टीम ओमी कालानी के बहुत बड़ा झटका है और आगे भी ऐसे झटके टीओके को हम देते रहेंगे।

अंबरनाथ में शिवसेना एवं भाजपा का प्रचार जोरों पर

■ महाविकास आघाड़ी का प्रचार शुरू नहीं

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा में जोरदार टक्कर होने के आसार दिखाई दे रहे हैं. सांसद श्रीकांत शिंदे ने सोमवार को शहर पूर्व और पश्चिम में चार कार्यालय का उद्घाटन किया. उनके साथ अरविंद वालेकर, संभावित नगराध्यक्षा की उम्मीदवार मनिषा वालेकर थीं, तो दूसरी ओर भाजपा के नेता गुलाबराव करंजुले एवं संभावित नगराध्यक्षा उम्मीदवार तेजश्री विश्वजीत करंजुले ने भी नवरे नगर में दो जनसंपर्क कार्यालय पश्चिम में घाडगे नगर, मेठल नगर, टेलर चौक परिसर में तेजश्री करंजुले के हाथों जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन हुआ. नायर समाज और उत्तर भारतीय समाज के साथ उनकी बैठक भी हुई. भास्कर नगर परिसर में उनकी रैली भी निकाली गई. यहां का परिसर भाजपामय हो गया था. भाजपा की ओर से जिला

अध्यक्ष नंदू परब ने कहा है कि एक लाख टक्के अंबरनाथ में हमारा नगराध्यक्ष चुनकर आएगा तो उसके जवाब में सांसद शिंदे ने कहा है कि शहर में शिवसेना पक्ष की ताकत किसी भी पक्ष से पांच गुना ज्यादा है. दोनों ही पक्ष की ओर से शहर में जनसंपर्क कार्यालय खोले जा रहे हैं. नामांकन फार्म तो भरे नहीं गए हैं, लेकिन प्रचार जोरदार तरीके से जारी है. आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू है. भाजपा की ओर से प्रभाग के लिए उम्मीदवारों का चुनाव करने के लिए अभिजीत करंजुले पाटिल साक्षात्कार ले रहे हैं. कुछ प्रभाग के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को हरी झंडी दे दी गई है. महाविकास आघाड़ी की ओर प्रचार अभी ठंडा है.

उल्हासनगर में 2 साल बाद भी चल रही मात्र 20 बसें

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा की परिवहन सेवा के तहत 100 बसें शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन दो साल बाद भी, इस रूट पर केवल 20 बसें ही चलती दिखाई दे रही हैं। इनमें से 10 साधारण बसें और 5 वातानुकूलित (एसी) बसें यात्रियों की सेवा में हैं। बाकी 5 वातानुकूलित बसें महीनों से कल्याण के वसंत वैली डिपो में धूल फांक रही हैं। इन बसों को उल्हासनगर स्टेशन और टिटवाला स्थित श्री गणेश मंदिर तक शुरू करने की मांग की जा रही है।

उल्हासनगर शहर में इलेक्ट्रिक बस सेवा पुणे स्थित एक ठेकेदार कंपनी 'ईका' द्वारा संचालित की जाती है। हालाँकि, उल्हासनगर मनपा बसों की चार्जिंग, पार्किंग, मरम्मत और सफाई के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, जिससे बस सेवाएँ बढ़ने के बजाय घट रही हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में 100 बसें चलाने की योजना है, लेकिन नागरिकों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि वर्तमान में शहाड़ रेलवे स्टेशन से उल्हासनगर कैंप 5 स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर तक केवल 10 सामान्य बसें चलती हैं। जबकि बदलापुर (पश्चिम) बस स्टैंड से कल्याण तक 5 वातानुकूलित बसें चल रही हैं।

उल्हासनगर मनपा के परिवहन प्रमुख विनोद केने ने कहा, परिवहन व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार के प्रयास जारी हैं। उल्हासनगर परिवहन बस सेवा को ठाणे जिले के वाशी, बेलापुर तक विस्तारित करने की योजना है और चार्जिंग व पार्किंग के लिए जगह तैयार की जा रही है।

बचत गट की महिलाओं को मिले लोहे के स्टॉल

■ 50 महिला स्वयं सहायता समूहों को लॉटरी पद्धति से स्टॉल दिए गए

उल्हासनगर. महानगर पालिका द्वारा शहर में लगभग 50 महिला बचत गट को व्यवसाय करने के उद्देश्य से लोहे के स्टॉल उपलब्ध कराए जाने थे। लेकिन मनपा द्वारा उन स्टॉलों के वितरण में की गई देरी से महिला वर्ग में रोष का माहौल बन गया था। इसके अलावा, कई विरोध प्रदर्शन भी हुए। चूँकि बचत गट की गरीब महिलाओं को दिए गए लोहे के स्टॉल जर्जर हो रहे थे, इसलिए हर जगह यह माँग उठ रही थी कि उन स्टॉल को चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जाए। आखिरकार, मनपा को सही समय मिल गया। काफी जद्दोजहद के बाद,

बचत गट की लगभग 50 गरीब महिलाओं को लोहे के स्टॉल मिले, और उनके बीच खुशी का माहौल व्याप्त हो गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका के क्षेत्राधिकार में महिला स्वयं सहायता समूह की गरीब महिलाओं द्वारा व्यवसाय करने के उद्देश्य से लोहे के स्टॉल तैयार किए गए थे और उन्हें शिविर के अनुसार विभिन्न स्थानों पर रखा गया था। उक्त लोहे के स्टॉल के वितरण के संबंध में प्रशासक और आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा दिए गए निर्देशानुसार, डॉ. किशोर गवस अतिरिक्त आयुक्त, अनंत जवादवार, उपायुक्त (एम.बी.ए.के.), गणेश पवार विभाग प्रमुख (एम.बी.ए.के.) ने सभी संबंधित महिलाओं को एक पत्र के माध्यम से स्टॉल वितरण के बारे में सूचित किया था और 6 नवंबर को यहां मनपा भवन में स्टॉल वितरण के संबंध में एक कार्यक्रम आयोजित किया था।

चूंकि उक्त स्टॉल लॉटरी पद्धति से दिए जाने थे, इसलिए कैंप क्रमांक 1, 2, 3 और कैंप क्रमांक 4, 5 में दो बक्सों में अलग-अलग लॉट इस तरह रखे गए थे कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पास में जगह मिल जाए। उक्त स्टॉल निकालने के लिए दो स्कूली छात्राओं को बुलाया गया था। 'महिला स्व-सहायता समूह का नाम' और 'स्टॉल का स्थान' नामक दो प्रकार के लॉट एक साथ निकाले गए और 50 महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को स्टॉल वितरित किए गए। उक्त कार्यक्रम में सभी महिला स्व-सहायता समूहों की अध्यक्ष उपस्थित थीं और उनकी उपस्थिति में लॉट निकाले गए। लॉटरी के माध्यम से स्टॉल आवंटन कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, प्रसन्न महिलाओं ने आयुक्त मनीषा अव्हाले का आभार व्यक्त किया।

अंबरनाथ नपा चुनाव

दूसरे दिन भी कोई नामांकन दाखिल नहीं

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में 11 नवंबर मंगलवार को नामांकन फार्म दाखिल करने के दूसरे दिन भी एक भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है. ऐसी जानकारी नगर परिषद की ओर से दी गई है.

नामांकन फार्म आनलाइन भरे जाएंगे. उसके बाद जरूरी कागजात के साथ फार्म को नगर परिषद कार्यालय में जमा करना होगा. ऐसी जानकारी चुनाव अधिकारी, मुख्याधिकारी, प्रशासक, उमाकांत गायकवाड़ ने दी है. उन्होंने कहा है कि चुनाव के लिए पूरी यंत्रणा सतर्क है. उम्मीदवारों को परेशानी ना हो इसलिए एक खिड़की योजना शुरू की गई है. निर्वाचकों एवं सभी राजकीय पक्ष से विनती की गई है कि नामनिर्देशन दाखिल करने की अंतिम तिथि को ध्यान में रखते हुए नियोजित समय पर आवश्यक कागजात के साथ नामांकन दाखिल करें. मंगलवार को नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन कोई भी नामांकन दाखिल नहीं किए जाने का कारण ये बताया जा रहा है कि किसी भी पक्ष की ओर से अभी तक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की गई है. नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन 16 और 17 नवंबर को नपा कार्यालय में भारी भीड़ देखी जा सकती है.

शहाड़ पुल बंद होने से ट्रैफिक जाम

■ अनियोजित प्रशासन से नागरिक परेशान

■ पुलिस भी चिंतित

कल्याण. कल्याण शहर में इस समय बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचे का काम चल रहा है। सैटिस परियोजना, मेट्रो लाइन के निर्माण और एमएमआरडीए द्वारा सड़कों पर सीमेंट कंक्रीटिंग के रुके हुए काम के कारण यातायात जाम में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, शहाड़ फ्लाईओवर को मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया है, जिससे कल्याण की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। प्रशासन के अनियोजित प्रशासन से परेशान कल्याणकर इस जाम के कारण घुट रहे हैं।

कल्याण-मुरबाड़ राज्य राजमार्ग पर शहाड़ फ्लाईओवर की हालत बहुत खराब थी। इसलिए,

अगर शहाड़ पुल बंद होने से पहले वालधुनी पुल की मरम्मत कर दी गई होती, तो आज यह स्थिति पैदा नहीं होती। यातायात पुलिस को भी इस जाम का तनाव झेलना पड़ रहा है। सड़कों पर वाहनों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त मैनपावर तैनात की गई है।

पुल को मरम्मत कार्य के लिए 20 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि, इसका सीधा असर कल्याण क्षेत्र के नागरिकों और वाहन चालकों पर पड़ने लगा है। इस मार्ग पर यातायात का सारा दबाव अब वालधुनी पुल, पत्री पुल और कल्याण पूर्व की मुख्य सड़कों पर आ गया है।

खासकर शिवाजी चौक, वालधुनी, अशोकनगर, शिवाजी नगर, रामबाग, सिंडिकेट के इलाकों में भीषण जाम लग गया है। इसके कारण उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर जाने वाले वाहनों की हर दिन भारी भीड़ रहती है। नागरिकों को महज 10 से 15 मिनट के सफर के लिए डेढ़ से दो घंटे इंतजार करना पड़ता है।

हालांकि पुल को बंद हुए अभी कुछ दिन ही हुए हैं, लेकिन इसका असर पूरे शहर के यातायात पर महसूस किया जा रहा है। सुबह-शाम बसों, दोपहिया, चार पहिया, रिक्शा जैसे सभी वाहनों की कतारें और हॉर्न की आवाज ने सड़कों पर एक तरह की अराजकता पैदा कर दी है। इस जाम का असर नागरिकों के साथ-साथ आपातकालीन सेवाओं पर भी पड़ा है। कई एम्बुलेंस घंटों तक इस जाम में फँसी रहीं, जिससे मरीजों की जान जोखिम में रही। स्कूल, दफ्तर और अस्पताल जाने वाले नागरिकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के अनियोजित प्रबंधन पर नागरिकों ने गहरा रोष व्यक्त किया है।

नवी मुंबई से बरेली के लिए शुरू होगी सीधी उड़ान

नवी मुंबई. नए साल में उत्तर प्रदेश के बरेली और नवी मुंबई के बीच नियमित उड़ान शुरू हो जाएगी। इस संबंध में सिविल एन्क्लेव बरेली और एयर इंडिया एक्सप्रेस के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। नवी मुंबई हवाई अड्डे पर स्लॉट के साथ-साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी मिल गया है। बरेली-नवी मुंबई-के बरेली के बीच प्रतिदिन 180 सीटर विमान उड़ान भरेंगे। इसके साथ ही बरेली-कुशीनगर के बीच उड़ान का रास्ता भी साफ हो गया है। दिसंबर तक एनओसी मिलने की उम्मीद है। जेट एयरविंग्स 88 सीटर विमानों के जरिए इस रूट पर हवाई सेवाएं प्रदान करेगा। जनवरी तक बरेली-नवी मुंबई के बीच नियमित उड़ान शुरू हो जाएगी। नवी मुंबई हवाई अड्डे पर स्लॉट मिल गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ समझौते के साथ ही प्राधिकरण की मंजूरी भी मिल गई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक — संपादकीय

हादसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

लगभग सभी बड़े हादसों और उनमें लोगों के हताहत होने की घटना के बाद राहत तथा मुआवजे के लिए सरकार की ओर से औपचारिक कदम उठाए जाते हैं। सबका ध्यान आमतौर पर इस बात पर टिका रहता है कि किस वाहन के चालक की गलती थी या कहीं कोई तकनीकी गड़बड़ी तो नहीं थी। मगर कई बार हादसों की वजहें ऐसे पहलू में भी छिपी होती हैं, जिन पर ध्यान देना लोग जरूरी नहीं समझते और न ही उसे अहम बिंदु माना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कुछ वैसे ही कारणों को चिह्नित करने की जरूरी पहल की है। अदालत ने सोमवार को राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो हफ्तों के भीतर दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इसमें संबंधित महकमों को फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग पर ढाबों की संख्या के साथ-साथ राजमार्ग की स्थिति और वहां सड़क रखरखाव के लिए ठेकेदार द्वारा अपनाए गए मानदंडों के बारे में भी बताना होगा।

गौरतलब है कि उस हादसे में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पीछे यात्रियों से भरा टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया था, जिसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह की जान चली गई थी। दरअसल, लंबी दूरी की यात्रा के लिए निर्बाध सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता और रखरखाव के लिए उच्चतम मानदंडों को बनाए रखना जरूरी नहीं समझा जाता। जबकि हर कुछ दूरी पर टोल संग्रह केंद्रों पर वाहन चालकों से शुल्क वसूलने में कोई रियायत नहीं बरती जाती।

दूसरी ओर, ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जिनमें किसी ढाबे के पास सड़क किनारे खड़े बड़े वाहन पर सही समय पर नजर न पड़ने की वजह से पीछे से कोई अन्य वाहन आकर टकरा जाता है और नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। सवाल है कि जब तेज रफ्तार और निर्बाध सफर के लिए सड़कें बनाने का दावा किया जा रहा है, तो उसे हर लिहाज से सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसकी है। सुप्रीम कोर्ट ने फलोदी में हुए हादसे का स्वतः संज्ञान लेकर दरअसल हादसों के वास्तविक कारणों की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की है।

बैंकों से बेहतर है सहकारी नेटवर्क, बेहतर बदलाव की पहल

बढ़ई, कुम्हार, सुनार और दर्जी आदि 18 पारंपरिक पेशे से जुड़े लोगों के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एक नई उम्मीद लेकर आई थी। इसके तहत इन्हें कौशल प्रशिक्षण, आधुनिक औजार और बिना जमानत के छोटा ऋण देने का प्रविधान है, ताकि वे आज की तकनीकी दुनिया में फिर से खड़े हो सकें। सितंबर 2023 में 13,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ शुरू हुई इस योजना का लक्ष्य देश के ग्रामीण जीवन से संबंधित पारंपरिक पेशे थे।

दो साल बाद कागज पर तो आंकड़े उत्साहजनक दिखते हैं, क्योंकि इस योजना के तहत तीन करोड़ से ज्यादा पंजीकरण हुए हैं, पर सच्चाई कुछ और है। अब तक सिर्फ 4.65 लाख कारीगरों को 4,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए हैं, जिनमें 2,200 करोड़ रुपये ही वास्तव में वितरित हुए और मात्र 224 करोड़ रुपये की वापसी हुई है। पंजीकरण और वास्तविक कर्ज वितरण के बीच यह फासला सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि संरचनात्मक कमी दर्शाता है। यह बताता है कि भारत में आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं का सबसे बड़ा रोड़ा बैंकिंग व्यवस्था ही है।

निजी बैंक सरकार का विरोध नहीं कर रहे, बस नियमों का चतुराई से पालन कर रहे हैं। आरबीआइ ने सभी बैंकों को आदेश दिया है कि वे अपनी कुल ऋण पुस्तिका का 40 प्रतिशत कृषि, लघु उद्योग क्षेत्र के साथ कमजोर वर्गों को दें। निजी बैंक प्राथमिकता क्षेत्र के लिए निर्धारित ऋण लक्ष्य को पूरा करने के बजाय प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र खरीद लेते हैं। ये प्रमाणपत्र वे उन

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से खरीद सकते हैं, जिन्होंने अपने लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित किया हो।

कुछ बैंक अपने दायित्व को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों या माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के माध्यम से पूरा करने का दावा करते हैं। कागज पर वे नियम पूरा करते हैं, लेकिन हकीकत में विश्वकर्मा ऋण देने के मामले में निजी बैंकों का रिकार्ड निराशाजनक है। पीएम जन धन योजना में भी निजी बैंकों की हिस्सेदारी मुश्किल से तीन प्रतिशत है। निजी बैंकों का तर्क है कि दो लाख रुपये का एक छोटे कारीगर को दिया गया ऋण उतने ही कागजी काम और लागत मांगता है, जितना 20 लाख का कार लोन, पर मुनाफा बहुत कम।

कारीगरों के पास न जमानत होती है, न डिजिटल ऋण इतिहास, जिससे जोखिम बढ़ जाता है। सरकारी गारंटी भी केवल आंशिक नुकसान कवर करती है। ऐसे में शेयरधारकों से संचालित संस्थानों के लिए यह काम आकर्षक नहीं है। इसके उलट सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक लगभग पूरा बोझ उठाते हैं-चाहे जन धन, मुद्रा या विश्वकर्मा जैसी योजनाएं हों, लेकिन सीमित स्टाफ और सख्त नियामक बोझ के कारण उनकी क्षमता सीमित है। जब कर्ज अटकता है तो जनता के सामने दोष बैंक या सरकार, दोनों को झेलना पड़ता है।

जब निजी बैंक पीछे हट रहे हों और सार्वजनिक बैंक थक चुके हों, तो समाधान सहकारिता ढांचे में है। यह भारत की सबसे पुरानी और भरोसेमंद वित्तीय व्यवस्था है। सहकारी ऋण समितियां और जिला सहकारी बैंक 'सामाजिक गारंटी' पर काम करते हैं, जहां हर सदस्य की गारंटी दूसरा सदस्य देता है। यह सामुदायिक भरोसा उन कारीगरों के लिए अधिक उपयोगी है, जिनके पास औपचारिक रिकार्ड नहीं है। इन संस्थाओं में डिफाल्ट दर औसतन दो प्रतिशत के आसपास रहती है, जो अधिकांश सूक्ष्म ऋणों से बेहतर है।

कई राज्यों में सहकारी संस्थाएं डेरी, हैंडलूम और ग्रामीण उद्यमों में गहराई से जुड़ी हैं। उन्हें स्थानीय व्यापार और मौसमी आय का अनुभव है। एक कुम्हार या बढ़ई भले फिनटेक न समझे, सहकारी संस्था को समझता है। यदि विश्वकर्मा योजना को इन सहकारी नेटवर्क से जोड़ा जाए तो यह योजना वास्तव में जन-संचालित बन सकती है, जैसे उत्तर प्रदेश के बुनकर समाज या गुजरात की डेरी सहकारिताओं में हुआ है।

सरकार को चाहिए कि सहकारी और जिला केंद्रीय बैंकों को निर्धारित बैंकों की तुलना में बेहतर ऋण गारंटी दे, क्योंकि इनका सामाजिक आधार अधिक गहरा है। नाबार्ड या सिडबी के माध्यम से कारीगर ऋणों के लिए पुनर्वित्त सुविधा खोली जा सकती है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का डिजिटलीकरण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

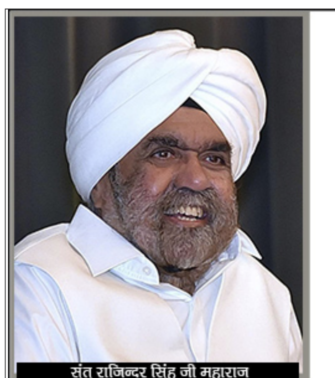

अध्यात्म इस बात को पहचानना है कि हमारा सच्चा आपा हमारी आत्मा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पाकिस्तान से आतंकी गतिविधि संचालित

आतंकवाद वैश्विक स्तर पर शांति और सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। आतंकी अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए साजिशों के नए-नए जाल बुनते हैं, जिन्हें भेद पाने में सुरक्षा एजंसियों को भी कड़ी चुनौतियां का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा एजंसियों को इसी तरह के एक अंतरराज्यीय आतंकी संजाल का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है, जिसमें आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साजिश की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आरोपियों के ठिकानों से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए हैं। यानी वे किसी बड़े खौफनाक हमले को अंजाम देने की फिराक में थे।

पुलिस का दावा है कि आतंकियों का यह तंत्र पाकिस्तान की धरती से संचालित होने वाले जैश-ए-मोहम्मद और आइएसआइएस से संबंधित अंसार गजवातुल-हिंद से जुड़ा हुआ था, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सक्रिय था। सवाल है कि इस गिरोह से जुड़े लोग इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ और हथियार जमा करने में कैसे कामयाब हो गए? सुरक्षा और खुफिया एजंसियों को इनकी गतिविधियों की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई?

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा

और उत्तर प्रदेश की पुलिस तथा केंद्रीय एजंसियों के साथ विशेष अभियान चलाकर इस आतंकी तंत्र का पर्दाफाश किया है। खास बात यह है कि इस गिरोह के जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें एक विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक और एक चिकित्सक भी शामिल हैं। साफ है कि आतंकी संगठन पढ़े-लिखे लोगों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं, ताकि किसी हिंसक वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया जा सके। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक के दिल्ली से सटे फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 360 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया है।

सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील पदार्थ का मिलना कई सवाल खड़े करता है। एनसीआर में जगह-जगह पुलिस की ओर से सुरक्षा नाके लगाए गए हैं, इसके बावजूद विस्फोटक पदार्थ की इतनी बड़ी खेप आखिर वहां कैसे पहुंचाई गई? क्या खुफिया और सुरक्षा एजंसियों की जांच का व्यवस्थागत तंत्र इतना कमजोर है कि वह वास्तविक समय पर आपराधिक गतिविधियों को पकड़ पाने में सक्षम नहीं है?

गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सात कश्मीर के हैं, जबकि एक उत्तर प्रदेश का निवासी है। सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि जांच में दो आरोपियों के मोबाइल फोन में पाकिस्तान के कई नंबर पाए गए हैं। जाहिर है कि वे पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे। यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि गिरफ्तार सभी आरोपी स्थानीय हैं, मगर उनके पास चीनी स्टार पिस्तौल, एके-56 एवं एके क्रिंकाव राइफल जैसे हथियार और इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि धन का लेन देन करने और साजो-सामान की व्यवस्था के लिए यह गिरोह गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था।

सामाजिक और धर्मार्थ कार्यों की आड़ में पेशेवर तथा शैक्षणिक तंत्र के जरिए धन जुटाया जाता था। मगर ऐसा कैसे संभव हुआ कि खुफिया और सुरक्षा एजंसियों को इसकी पहले कोई भनक नहीं लग पाई। जाहिर है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कहीं न खामियां व्याप्त हैं, जिन्हें दुरुस्त किए जाने की जरूरत है।

55 साल से अधिक नहीं जीते, 70% लोग हैं दिव्यांग

जरा हट के

सरकार जहां विकास के दावे गिनाती रहती है. वहीं, जमीनी हकीकत कुछ और बयां करती है. झारखंड का एक ऐसा गांव आज भी अपनी मूल समस्या से जूझ रहा है. जहां के ग्रामीण युवा होते हीं दिव्यांगता के शिकार हो जाते है. जिस कारण इस गांव के लोग पलायन कर जाते हैं. झारखंड की राजधानी रांची से करीब 165 किलोमीटर दूर पलामू जिला है. पलामू जिले का चुकरू गांव आज भी विकास के वादों के बीच दम तोड़ता नज़र आता है. यहां का पानी अब जीवन नहीं, बल्कि विनाशक बन चुका है. यहां गांव का कोई भी व्यक्ति 55-60 साल से अधिक नहीं जीता है.

दरअसल, पलामू जिले के सदर प्रखंड का चुकरु गांव के लोग गांव की मूल समस्या से आज तक छुटकारा नहीं पा सके हैं. ग्रामीण कहते हैं कि यहां हर घर में कोई न कोई

अपंग या बीमार है. एक रिपोर्ट के मुताबिक चुकरू के भूमिगत जल में फ्लोराइड की मात्रा 10 से 12 मिलीग्राम प्रति लीटर तक मापी गई है. जबकि सुरक्षित सीमा 1.5 मिलीग्राम है. यही वजह है कि गांव के लगभग 70 प्रतिशत लोग किसी न किसी वजह से दिव्यांग हो जाते हैं.

यहां गांव के 41 वर्षीय अनिता कूंअर 6 सालों से खाट पर पड़ी हैं, लोहा सिंह को चलने के लिए डंडे का सहारा लेना पड़ता है. 19 साल की खुशबू कुमारी के दांत पीले और कमजोर पड़ चुके हैं. डॉक्टरों के अनुसार, शरीर में एक बार फ्लोराइड जम जाने पर उसे पूरी तरह निकालना लगभग असंभव है. शिव चंद उरांव ने बताया कि इस गांव में कोई 55 से 60 वर्ष से अधिक नहीं जीवित रहता है. यहां की समस्या ही ऐसी है. सरकार द्वारा कई योजनाओं को लाने के बारे में कहा गया, लेकिन आज तक वो समस्या बनी है.

मूंगफली की सब्जी

खाना-खजाना

मूंगफली के दानों से बनी सब्जी ना केवल टेस्टी लगेगी बल्कि प्रोटीन से भी भरपूर होगी और बच्चे-बड़े सब खा लेंगे। तो चलिए जानें कैसे बनाएं मूंगफली की सब्जी। नोट कर लें रेसिपी।

सामग्रीः

- एक कप मूंगफली के दानें
- भुनी मूंगफली एक चौथाई कप
- दो टमाटर
- एक प्याज
- दो हरी मिर्च
- धनिया के पत्ते
- फूल चक्र एक
- तेजपत्ता
- दालचीनी का छोटा टुकड़ा
- इलायची दो
- देसी घी एक चम्मच
- नमक
- तेल
- जीरा आधा चम्मच
- अदरक-लहसुन का पेस्ट एक चम्मच
- लाल मिर्च
- हल्दी पाउडर
- किचन किंग मसाला
- कसूरी मेथी
- दही आधा कप

विधिः

सबसे पहले किसी कूकर में मूंगफली को डालें। साथ में प्याज, टमाटर को काटकर डाल दें। पानी डालें और एक चम्मच देसी घी डाल दें। दालचीनी, तेजपत्ता, काली मिर्च, चक्र फूल जैसे खड़े मसाले डालें। और हरी मिर्च डालकर ढक्कन बंद कर दें। दो से तीन सीटी में मूंगफली पक जाएगी। गैस की फ्लेम को बंद कर दें। अब भुनी मूंगफली को पीसकर पाउडर बना लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और जीरा चटकाएं, साथ ही अदरक-लहसुन का पेस्ट, हल्दी, किचनकिंग मसाला और लाल मिर्ची डालकर भूनें। तेल में फौरन दही डाल कर चलाएं। साथ में कसूरी मेथी डालकर मिक्स करें और भुनी मूंगफली का पाउडर डालकर चलाएं। एक बार ये भुन जाए तो कूकर में तैयार पकी मूंगफली को मिलाकर चलाएं। आखिरी में थोड़ा सा मसाला डालकर गैस की फ्लेम बंद कर दें। रेडी है टेस्टी प्रोटीन से भरपूर मूंगफली की सब्जी।

सर्दी के मौसम में सुपरफूड हैं ये 5 सब्जियां

सेहत से जुड़ी कई परेशानियां रहेंगी दूर

ठंड की कड़कती हवाएं, दिन का छोटा होता समय और शरीर में एक अजीब-सी सुस्ती... सर्दी का मौसम अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आता है। लेकिन इस मौसम में कुछ ऐसी सब्जियां भी आती हैं, जो इन मुसीबतों से लड़ने में हमारी मदद कर सकती हैं। ये सब्जियां न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होती हैं, बल्कि इनमें वो सारे पोषक तत्व भरे होते हैं जो हमें ठंड से लड़ने, इम्युनिटी बढ़ाने और सेहतमंद रहने की ताकत देते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही 5 सब्जियों के बारे में जो सर्दियों में किसी सुपरफूड से कम नहीं हैं।

पालक

सर्दियों में बाजार में दिखने वाली मुलायम और ताजी पालक स्वास्थ्य के लिए वरदान है। यह आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटामिन-ए, सी और के जैसे जरूरी विटामिन्स से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाते हैं और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव करते हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखती है।

गाजर

ठंड के मौसम की सबसे चमकदार और मीठी सब्जी गाजर बेहद गुणकारी है। गाजर का नारंगी रंग उसमें बीटा-कैरोटीन की

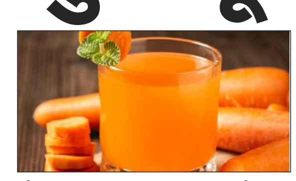

मौजूदगी की वजह से होता है, जो शरीर में जाकर विटामिन-ए में बदल जाता है। यह आंखों की रोशनी के लिए अमृत माना जाता है और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। गाजर में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में सहायक है।

मेथी

मेथी देखने में भले ही साधारण लगती है, लेकिन उसके गुण असाधारण हैं। स्वाद में थोड़ी कड़वी मेथी डाइजेस्टिव एंजाइम्स को एक्टिव करके पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है। इसमें आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

चुकंदर

चुकंदर आयरन का एक शानदार सोर्स है और एनीमिया से लड़ने में बेहद कारगर है। इसके अलावा, चुकंदर में नाइट्रेट्स पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की इम्युनिटी बूस्ट करते हैं।

शलजम

शलजम को अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इसके फायदे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। यह विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है, जो सर्दी-खांसी से लड़ने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करती है। शलजम में फाइबर की मात्रा अच्छी होती है, जो कब्ज की समस्या को दूर करती है और पाचन को बेहतर बनाती है।

आज का राशिफल

मेष : निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कन्या : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें।

धनु : भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है।

कुंभ : पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर में बार-बार जाले बना रही मकड़ी?

अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

बार-बार घर में मकड़ी का जाल बनना अच्छा नहीं माना जाता. ये घर में नकारात्मक ऊर्जा को भी लाती हैं इसलिए मकड़ी के जाले की बार बार सफाई करनी पड़ती है. ऐसे में आप कुछ घरेलू उपाय अपनाकर हमेशा हमेशा के लिए मकड़ी के जालों से मुक्ति पा सकते हैं, जिससे दिवार और कोने हमेशा साफ दिखेंगे...

नींबू और सिरके का स्प्रे

नींबू और सिरके की खुशबू मकड़ी को बिल्कुल पसंद नहीं होती. एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में सफेद सिरका और पानी मिलाएं, उसमें 10-15 बूंदें नींबू के रस की डालें और इस घोल को जाले वाले कोनों में स्प्रे करें. यह तरीका मकड़ियों को तुरंत दूर भगाता है और घर में ताजगी भी बनाए रखता है.

कपूर और लौंग का धुआं

पुराने समय से मकड़ी को भगाने के लिए यह उपाय बहुत कारगर माना गया है. कपूर और लौंग दोनों ही प्राकृतिक कीटनाशक हैं. रोजाना सुबह या शाम घर में हल्का-सा कपूर-लौंग का धुआं करने से मकड़ियां दूर रहती हैं और यह घर की नकारात्मकता भी खत्म करता है. साथ ही घर में कभी भी मकड़ी और ना उसके जाले दिखेंगे.

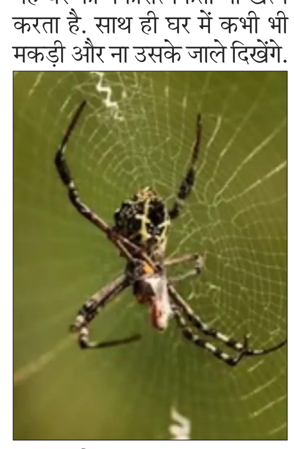

नीम और तुलसी का उपयोग

मकड़ी और उनके जालों से हमेशा हमेशा के लिए मुक्ति चाहते हैं तो घर पर नीम और तुलसी का उपाय जरूर करें. नीम और तुलसी दोनों ही प्राकृतिक कीट repellents हैं. घर के आस-पास या दरवाजे के पास तुलसी का पौधा लगाने से कीड़े-मकौड़े कम आते हैं. आप नीम की पत्तियों का पानी बनाकर उससे फर्श भी पोंछ सकते हैं.

लैवेंडर या पुदीने का तेल

लैवेंडर, पुदीना और यूकेलिप्टस जैसे एसेंशियल ऑयल्स की गंध मकड़ी को भगाने में बेहद असरदार होती है. कुछ बूंदें ऑयल की रुई पर डालकर घर के कोनों में रखें या पानी में मिलाकर स्प्रे कर दें. इससे मकड़ियाा पास भी नहीं फटकतीं हैं. इस उपाय से घर में एक खुशबू भी बनी रहेगी और मकड़ियों से भी निजात मिलेगी.

नियमित सफाई और धूप

मकड़ी गंदे और अंधेरे स्थानों में रहना पसंद करती है. इसलिए घर को सूखा और हवादार रखना जरूरी है. सप्ताह में कम से कम एक बार झाड़ू-पोंछा और दीवारों की धूल साफ करें. सुबह के समय घर में धूप और ताजी हवा आने दें, इससे जाले बनने की संभावना बहुत कम हो जाती है.

पुराने सामान की सफाई

कई बार मकड़ियां अलमारी या स्टोर रूम जैसे कम इस्तेमाल होने वाले हिस्सों में घर बना लेती हैं. महीने में एक बार पुराने अखबार, कपड़े या बॉक्स निकालकर साफ करें. इससे उनका ठिकाना खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगा.

कैसे हटाएं कपड़े से स्याही के निशान

ये सॉल्यूशन हटा देगा पूरा दाग, जान लें सिंपल टिप्स

कपड़ों पर स्याही के दाग लगना एक आम समस्या है, खासकर जब घर में बच्चे हों या ऑफिस का काम पेन से जुड़ा हो. एक छोटी सी

गलती से शर्ट, टी-शर्ट या ड्रेस पर स्याही के निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं. कई बार लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे डिटर्जेंट या केमिकल का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी दाग पूरी तरह से नहीं जाता. ऐसे में कुछ घरेलू उपाय हैं जो बिना कपड़े को नुकसान पहुंचाए स्याही का दाग आसानी से हटा सकते हैं.

सबसे आसान और असरदार उपाय है नींबू और बेकिंग सोडा का मिश्रण.इसके लिए एक चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को स्याही के दाग पर लगाएं और 10–15 मिनट तक छोड़ दें. फिर हल्के हाथों से रगड़कर ठंडे पानी से धो लें. नींबू की एसिडिक प्रॉपर्टी और बेकिंग सोडा की सफाई शक्ति दाग को तोड़कर कपड़े से बाहर निकाल देती है. यह उपाय सफेद और हल्के रंग के कपड़ों पर सबसे ज्यादा असरदार होता है.

अगर स्याही का दाग बहुत गहरा है, तो रबिंग अल्कोहल या नेल पॉलिश रिमूवर भी मदद कर सकता है.इसके लिए कॉटन बॉल पर थोड़ा अल्कोहल लें और दाग पर हल्के से थपथपाएं. कुछ ही मिनटों में आप देखेंगे कि स्याही कपड़े से निकलकर कॉटन में आ रही है. इसके बाद कपड़े को ठंडे पानी से धो लें और सामान्य तरीके से डिटर्जेंट से साफ कर लें.ध्यान रहे, इस उपाय को हमेशा पहले कपड़े के किसी छोटे हिस्से पर टेस्ट करें ताकि रंग खराब न हो.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बीवी और ससुराल से तंग आकर युवक फंदे से लटका

बदायूं. यूपी के बदायूं में पत्नी और ससुराल से तंग आकर युवक ने घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने अपने मोबाइल में दो ऑडियो रिकॉर्डिंग छोड़ी, जिसमें वह ससुराल और पत्नी से परेशान होने की बात बता रहा है। मामला सदर कोतवाली के मोहल्ला ब्रह्मपुर रजी चौक का है। यहां के रहने वाले राहुल दुबे, 23 वर्ष, पुत्र सत्यनारायण, कार किराए पर चलाते थे और जागरण पार्टी में झांकियों में काम करते थे। उन्होंने सोमवार रात किसी समय घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने मोबाइल में दो ऑडियो रिकॉर्डिंग भी छोड़ी है।

दोस्त की गर्लफ्रेंड से बात करना युवक को पड़ा भारी, नाबालिग ने गला दबाकर की हत्या

प्रतापगढ़. यूपी के प्रतापगढ़ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां फतनपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर कला गांव में छह नवंबर की रात हुई युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। युवक को अपने दोस्त की गर्लफ्रेंड से इंस्टाग्राम पर बात करना भारी पड़ा। दोस्त ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ दुपट्टे से उसका गला कसने के बाद मुंह दबा दिया। पुलिस ने आरोपित दोस्त को बाल सुधार गृह जबकि अन्य तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया। रतनपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर का लगाऊं के रहने वाले मनोज गौतम का बेटा शुभम गुरुवार रात निमंत्रण से लौटा लेकिन घर नहीं पहुंचा। शुक्रवार सुबह धान के खेत में उसका शव पाया गया। परिजनों ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। पोस्टमार्टम के बाद पता चला कि मुंह दबाकर उसकी हत्या की गई थी। खुलासे में लगी पुलिस टीमों ने मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली तो पता चला कि शुभम से उसके एक नाबालिग दोस्त ने बात की थी। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया तो उसने कहानी बता दी।

दर्दनाक हादसा; कुएं में गिरने से तीन सगी बहनों की मौत, खेलते-खेलते पानी में समाईं

महोबा. उत्तर प्रदेश के महोबा में दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के अजनर क्षेत्र में मंगलवार को तीन मासूम सगी बहनों की कुएं में गिरने से मौत हो गई। तीनों सोमवार की दोपहर खेत में खेल रही थीं। खेलते-खेलते कुएं के पास चली गईं और तीनों की उसी में गिरने के बाद डूबकर मौत हो गई। देर रात तक तीनों की तलाश होती रही। मंगलवार को कुएं में शव उतराया दिखा तो परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने तीनों का शव निकलवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तीनों सात साल से छोटी थीं। आरी गांव के अनुसूचित वर्ग के किसान रामलाल की तीनो बेटियां रुचि (8 वर्ष), दीक्षा (7 वर्ष) और पुष्पा (4 वर्ष) सोमवार को परिजनों के साथ खेतों की ओर निकली थीं।

कार ब्लास्ट में 12 की मौत, 29 घायल

- **गृह मंत्रालय ने NIA को सौंपी जांच**

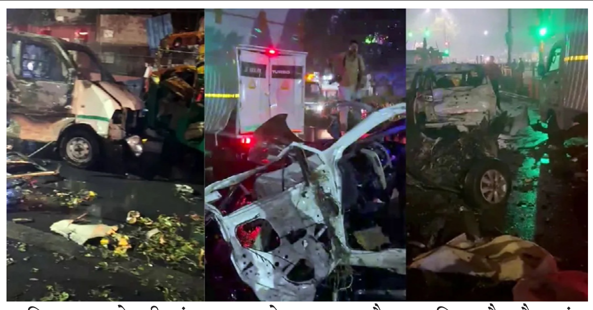

नई दिल्ली. दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए जबरदस्त धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 29 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने देर रात घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने एलएनजेपी अस्पताल में जाकर घायलों से मुलाकात भी की। दिल्ली पुलिस, एसएफएल की टीम, एनआईए और एनएसजी भी इस मामले की जांच में जुट गई है। ब्लास्ट हरियाणा नंबर की आई-20 कार में हुआ। गृह मंत्री अमित शाह ने भी मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों के साथ एक बड़ी बैठक की है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार की शाम लाल किले के पास हुए कार धमाके की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी NIA करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका फैसला किया है और जांच का जिम्मा NIA को सौंप दिया है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अणित शाह ने आज हाई लेवेल मीटिंग की, जिसमें धमाके की जांच NIA से कराने का फैसला किया गया। फिलहाल जांच एजेंसियां घटनास्थल से धमाके के सुराग इकट्ठा कर रही हैं। NIA को मामला सौंपने की बड़ी वजह इस धमाके के तार कई राज्यों से जुड़ा होना बताया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए, जबकि जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात डिजिटल माध्यम से इस बैठक में शामिल हुए।

उमर की लाश की पहचान के लिए मां का होगा DNA टेस्ट

- **गाड़ी में धमाके के समय उड़े थे चिथड़े**

श्रीनगर। सोमवार शाम दिल्ली के लाल किले के सामने एक गाड़ी में विस्फोट हुआ। इस धमाके में अब तक 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल है। जिस गाड़ी में धमाका हुआ, उसे संदिग्ध उमर चला रहा था। इस तरह ब्लास्ट में डॉक्टर उमर नबी भी मारा गया। हालांकि, अभी तक उसके शव की पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके लिए उमर की मां को पुलिस डीएनए टेस्ट के लिए ले गई है। अधिकारियों ने कहा कि हम विस्फोट के स्थान पर पाए गए भागों के साथ मिलान करने के लिए डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए संदिग्ध की मां को ले गए हैं। उमर नबी कथित तौर पर हुंडई आई-20 कार चला रहा था। इसी कार का इस्तेमाल अटैक के लिए किया गया था।

बता दें कि उमर कश्मीर के पुलवामा के कोइल गांव का रहने वाला है। संदिग्ध के दो भाई अपनी मां के साथ अस्पताल गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि जो लोग कार बिक्री में शामिल थे। उनसे पूछताछ जारी है।

महिला आतंकियों की पूरी टीम खड़ी करने वाली थी शाहीन

लखनऊ की डॉक्टर शाहीन की पूरी कहानी

नई दिल्ली. फरीदाबाद में भारी मात्रा में मिले विस्फोटक ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। सोमवार को सुबह ही यह बरामदगी हुई थी और शाम ढलते-ढलते दिल्ली में कार धमाका हो गया। अब इस मामले की जांच तेज हो गई और इस बीच लखनऊ स्थित एक महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को अरेस्ट किया गया है। जानकारी मिल रही है कि वह जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी थी और उसे महिला आतंकियों की भर्ती की जिम्मेदारी मिली थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। यह जानकारी पहले ही आ गई थी कि जैश-ए-मोहम्मद महिलाओं को आतंक की राह में लाने की कोशिशों में जुटा है।

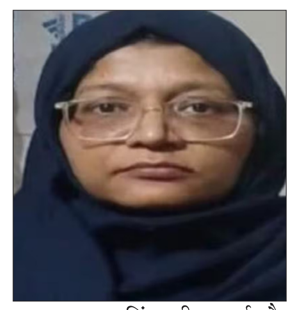

इसके लिए जैश ने बाकायदा एक अलग विंग ही बनाई है, जिसका नाम जमात उल-मोमिनात रखा गया है। इसका नेतृत्व पाकिस्तान में बैठकर खूंखार आतंकी मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर करती है। सादिया अजहर के पति युसूफ अजहर को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी पंजाब के अंदर किए हमले में मार डाला था। युसूफ अजहर के बारे में कहा जाता है कि वह कंधार विमान अपहरण कांड में भी शामिल था। अब उसकी पत्नी दुनिया में आतंक की पौध खड़ी करने में जुटी है। अब बात करते हैं फरीदाबाद मॉड्यूल में पकड़ी गई शाहीन शाहिद की। शाहीन शाहिद की कार से एक एके-47 रायफल भी बरामद हुई है। वह लखनऊ के लाल बाग की रहने वाली है।

शाहीन कथित तौर पर अल-फ़लाह यूनिवर्सिटी की मेंबर है। उसका कश्मीरी डॉक्टर मुज़म्मिल गनई उर्फ़ मुसैब से करीबी रिश्ता माना जाता है। मुज़म्मिल को फरीदाबाद में उसके दो किराए के कमरों से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और ज्वलनशील पदार्थ बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के कोइल का मूल निवासी मुज़म्मिल दिल्ली से लगभग 45 किलोमीटर दूर धौज स्थित अल-फ़लाह विश्वविद्यालय में एक डॉक्टर के रूप में कार्यरत था। मुज़म्मिल को जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने के एक मामले में वांछित व्यक्ति घोषित किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

डॉ. उमर का दोस्त डॉ. सज्जाद गिरफ्तार

- **मां और भाइयों के बाद पिता भी हिरासत में**

नई दिल्ली. गृह मंत्रालय ने दिल्ली कार ब्लास्ट के 20 घंटे बाद मामले की जांच NIA को सौंप दी है। कार में ब्लास्ट 10 नवंबर की शाम 6.52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास हुआ था। ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। 20 घायलों का इलाज चल रहा है। दो शवों की पहचान हो गई है। बाकी की पहचान DNA टेस्ट से होगी।

ब्लास्ट में जिस सफेद i20 कार का इस्तेमाल हुआ, उसका CCTV फुटेज मंगलवार को सामने आया। मेट्रो स्टेशन की पार्किंग से निकल रही कार में काला मास्क पहने एक शख्स बैठा दिखाई दिया।

पुलिस के मुताबिक, कार में बैठे शख्स का नाम डॉ. मोहम्मद उमर नबी था। वह पुलवामा का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उमर ने विस्फोटकों के साथ खुद को उड़ा लिया।

उसके DNA टेस्ट के लिए कश्मीर पुलिस ने पुलवामा में उसकी मां और दो भाई को हिरासत में लिया है। पुलवामा से उसके दोस्त डॉ. सज्जाद और पिता को भी हिरासत में लिया गया है। न्यूज एजेंसी PTI ने बताया कि पुलिस को शुरुआती जांच से पता चला है कि विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया।

हाफिज सईद बांग्लादेश से भारत पर हमले की तैयारी में

- **लश्कर कमांडर ने बताया- लड़ाकों को ट्रेनिंग दे रहे**
- **ऑपरेशन सिंदूर का बदला लेंगे**

आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सरगना हाफिज सईद भारत पर नए हमलों की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह बांग्लादेश को इन हमलों के लिए लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। यह खुलासा पाकिस्तान के खैरपुर तामेवाली में 30 अक्टूबर को हुई एक रैली के वीडियो से हुआ है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के सीनियर कमांडर सैफुल्लाह सैफ ने कहा, 'हाफिज सईद खाली नहीं बैठे हैं, वे बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमला करने की तैयारी कर रहे हैं।'

सैफ ने कहा- भारत हम पर चढ़ा हुआ था, अमेरिका उनके साथ था। लेकिन आज उनका साथ कोई नहीं दे रहा। सैफ ने दावा किया कि लश्कर के आतंकी पहले से ही बांग्लादेश में सक्रिय हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेने को तैयार हैं।

सूत्रों के अनुसार, हाफिज सईद ने अपने करीबी साथी को बांग्लादेश भेजा है, जो वहां के युवाओं को ट्रेनिंग दे रहा है।

जंग छेड़ने के लिए बच्चों को उकसा रहा आतंकी

रैली में आतंकवादी सैफ ने लोगों को भारत के खिलाफ जंग छेड़ने के लिए उकसाया। इस रैली में बच्चे भी मौजूद थे। आतंकी संगठन नाबालिगों को भी भड़काकर भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहते हैं। सैफ ने पाकिस्तानी सेना की तारीफ करते हुए झूठा दावा किया कि 9-10 मई की रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में कार्रवाई हुई। उसने कहा, 'अब अमेरिका हमारे साथ है। बांग्लादेश भी फिर से पाकिस्तान के करीब आ रहा है।'

तीन दिनों के अंदर रोकें विज्ञापन

बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को झटका; 'धोखा' पर छिड़ा था बवाल

नई दिल्ली. योग गुरु बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने तीन दिनों के अंदर पतंजलि च्यवनप्राश के उस विज्ञापन को प्रसारित करने से रोकने का आदेश दिया है, जिसमें अन्य सभी च्यवनप्राश ब्रांडों को 'धोखा' (धोखाधड़ी या छल) कहा गया है। जस्टिस तेजस करिया ने डाबर इंडिया लिमिटेड बनाम पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और अन्य के मामले की सुनवाई करते हुए मंगलवार को सोशल मीडिया कंपनियों, ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म और अनेय प्रसारकों को तीन दिनों के अंदर इस विज्ञापन को रोकने का आदेश दिया।

जस्टिस करिया ने अपने फैसले में कहा, 'प्रतिवादी राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों, ओवर द टॉप (OTT) प्लेटफॉर्म या किसी भी प्रकार की स्ट्रीमिंग प्रणाली, और प्रिंट माध्यमों और वर्ल्ड वाइड वेब/इंटरनेट पर प्लेटफॉर्म, समाचार पत्रों और अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से विवादित विज्ञापन को तीन दिनों के अंदर हटाएं, ब्लॉक करें या उसे निष्क्रिय कर दें।'

बाजार के 61% हिस्सेदारी पर डाबर हावी

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, डाबर ने आरोप लगाया कि यह विज्ञापन जानबूझकर उसके प्रमुख उत्पाद, डाबर च्यवनप्राश को बदनाम करता है, जो 1949 से बाजार में 61% से अधिक की हिस्सेदारी पर हावी रहा है। डाबर ने अपनी याचिका में यह भी तर्क दिया कि पतंजलि का यह विज्ञापन और संदेश संपूर्ण च्यवनप्राश श्रेणी का अपमान है, जिससे आयुर्वेद-आधारित हेल्थ सप्लीमेंट पर लोगों का विश्वास कम होता है। इन तर्कों पर विचार करने के बाद, हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि विज्ञापन संपूर्ण च्यवनप्राश उत्पादों की श्रेणी का अपमान करने का प्रयास है।

डाबर इंडिया के क्या आरोप?

हाई कोर्ट की एकल पीठ ने यह आदेश डाबर इंडिया की उस याचिका पर दिया, जिसमें पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश के हालिया टेलीविजन विज्ञापन को अपमानजनक और अनुचित बताया गया था। डाबर की याचिका के अनुसार, विज्ञापन में बाबा रामदेव उपभोक्ताओं को चेतावनी देते हुए दिखाई दे रहे थे कि च्यवनप्राश के नाम पर ज़्यादातर लोगों को ठगा जा रहा है। विज्ञापन में अन्य च्यवनप्राश ब्रांडों को'धोखा' (धोखाधड़ी या छल) बताया गया था और पतंजलि के उत्पाद को 'आयुर्वेद की असली शक्ति' देने वाला एकमात्र असली च्यवनप्राश बताया गया था।

निठारी हत्याकांड के कानूनी अध्याय का अंत

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को अंतिम लंबित मामले में भी बरी कर दिया। इस फैसले के साथ ही कोली के खिलाफ सभी मामले समाप्त हो गए हैं और अदालत ने उनकी तत्काल रिहाई का आदेश जारी किया है। यह फैसला 2006 के उस भयावह निठारी हत्याकांड के 19 साल पुराने अध्याय को पूरी तरह समाप्त करता है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सभी आरोपों से बरी किया जाता है। उसे तुरंत रिहा किया जाए।

पीठ ने कोली की क्योरेटिव याचिका पर सुनवाई करते हुए 2011 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने कहा कि अन्य सभी मामलों में कोली को पहले ही बरी कर दिया गया है, और इस अंतिम मामले में भी साक्ष्य अपर्याप्त तथा जांच में गंभीर खामियां हैं। पीठ ने टिप्पणी की यह न्याय का मजाक होगा यदि एक ही तरह के साक्ष्यों पर अलग-अलग फैसले दिए जाएं।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

प्रभाग समिति क्र.3, सहाय्यक आयुक्त यांचे कार्यालय,

महानगरपालिका शाळा क्र.14, मिलींद नगर, उल्हासनगर-4, दूरध्वनी क्र-2720193

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

जेए केआर उंपा/पीआरएसकेआर-3/63/2025 **दिनांक 11/11/2025**

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये) उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र. 3 चे हददीत खालील नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्षाच्या फांदया छाटणे व वृक्ष तोडणेकामी प्रस्ताव झालेला आहे.

अ. क्र.	अर्जदाराचे नांव	झाडाचे ठिकाण	झाडांची जात	अंदाजे झाडांची उंची	अंदाजे झाडाचा परिघ	फांदया छाटने/ छाटणे	खाजगी/ सार्वजनिक
1.	श्री विशाल नागाईच श्रीम मंजुषा र जगताप	एकता कॉलनी, श्रीराम नगर, सेक्शन-२९, उल्हासनगर-४	उंबर	25 फुट	2 फुट रुंद	3 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
2.	श्री. प्रकाश छो. यादव	संतोष नगर, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-४	बादाम	25 फुट	3 फुट रुंद	3 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
3.	श्री. अशोक रामनिहोर जैस्वार	गीता कॉलनी संतोषी माता मंदिर जवळ, उल्हासनगर-४	उंबर	25 फुट	4 फुट रुंद	2 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
			कडूलिंब	20 फुट	3 फुट रुंद	2 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
4.	श्री लखन सिंग लबाना	जुने मटन मार्केट, बॅ नं. १४०५ मागे, उल्हासनगर-४	पिंपळ	20 फुट	15 फुट रुंद	9 ते 10 फांदया छाटणे	खाजगी
5.	श्री प्रकाश पंजवानी	बै नं. १६०४/११, सेक्शन-२६, उल्हासनगर-४	पिंपळ	6 फुट	4 फुट रुंद	झाड तोडणे	खाजगी
6.	श्री नानीक पहिलराज खस्तुरीया	जस्लोक हायस्कूल, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-3	जंगली	20 फुट	3.5 फुट रुंद	3 फांदया छाटणे	खाजगी
7.	श्री कुमार चाहुरमल तलरेजा	बरेक नं. १५०४, रुम नं.१३, से-30 ए, उल्हासनगर-४	जंगली	20 फुट	3 फुट रुंद	2 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
8.	श्रीरवि किशनचंद चंचलानी	बॅरेक नं. १६५८, से-२६, उल्हासनगर-४	जंगली	20 फुट	3 फुट रुंद	झाड तोडणे	खाजगी
9.	बॅरेक नं. 1634 येथील रहिवासी	बरेक नं. १६३८, सिध्देवर चौक, उल्ळासनगर-४	गुलमोहर	40 फुट	6 फुट रुंद	3 ते 4 फांदया छाटणे	सार्वजनिक
10.	श्री संजय मा. आहिरे	गजानन नगर रोड, व्हिनस सिनेमा ए ५६०/११२०, उल्हासनगर-४	आंबा	30 फुट	5 फुट रुंद	3 ते 4 फांदया छाटणे	खाजगी
11.	श्री निलेश श्रवन तायडे	बेरेक नं. १२९२/१२, पुज्य पंचायत हॉल, ओटी चौक, उल्हासनगर-४	नारळ	30 फुट	2 फुट रुंद	झाड तोडणे	सार्वजनिक
12.	श्री. अशोक आशाराम भोजवानी	साई भवन, स्टेशन रोड, ओ टी सेक्शन, उल्हासनगर-3	पिंपळ	25 फुट	3 फुट रुंद	3 ते 4 फांदया छाटणे	खाजगी
		एकुण झाडे	13 झाडे				

तसेच सदर ठिकाणी संबंधित मुकादमानी झाडाची पाहणी करुन त्यांचा पाहणी अहवाल तथा पंचनामा सादर केलेला आहे. याबाबत आपली काही हरकत असल्यास लेखी स्वरुपात दि.19/11/2025 रोजी पूर्वी सहा-आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र. 3 मिलींद नगर, मनपा शाळा क्र. 14, उल्हासनगर-4 या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबंधितास सुनावणी घेवुन अंतिम निर्णय घेतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(विशाल कदम)
वृक्ष अधिकारी तथा सहा आयुक्त
प्रभाग समिती क्र 3
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा. क्र. उमपा / पीआरओ /366/2025
दिनांक :- 11/11/2025

सम्राट राणा ने वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड दिलाया

- **भारत 9 मेडल के साथ नंबर-2 पर आया**
- **मनु-ईशा 10 मीटर एयर पिस्टल में मेडल चूकीं**

करनाल के युवा निशानेबाज सम्राट राणा ने वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारत को गोल्ड मेडल दिलाया। इजिपत के काहिरा में चल रही चैंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को सम्राट ने पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में 243.7 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया।

चीन के हू काई (243.7 अंक) को सिल्वर और एक अन्य भारतीय वरुण कुमार (243.7 अंक) को ब्रॉन्ज मेडल मिला है। वहीं, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर और ईशा सिंह मेडल जीतने से चूक गईं।

भारत के 3 गोल्ड समेत 13 मेडल, नंबर-2 पर आया

आज भारत को दो गोल्ड, एक सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिले हैं। इसके साथ भारत के मेडल टैली में 13 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। फिलहाल, भारत मेडल टैली के दूसरे स्थान पर कायम है।

एक खराब निशाने से मनु का मेडल छूटा

मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था, लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं। वे 139.5 अंक के साथ मेडल रेस से बाहर हो गईं। साथ ही ईशा दबाव में दिखीं। वे फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाईं और छठे स्थान पर रहीं। चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन (243.0 अंक) ने गोल्ड, हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) ने सिल्वर और वेई कियान (चीन, 221.4) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भूटान पहुंचे पीएम मोदी तो कांग्रेस को याद आई पंडित नेहरू की यात्रा

- **69 की उम्र में 50 किमी चले थे पैदल**

थिंपू. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को भूटान पहुंचे, जहां वह हिमालयी देश के चतुर्थ नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिन समारोह में शामिल होंगे। पारो हवाई अड्डे पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने उनका स्वागत किया। वहीं कांग्रेस ने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भूटान दौरे के बीचदेश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 67 साल पहले हुई इस पड़ोसी देश की यात्रा को याद किया और कहा कि यह दोनों देशों के विशेष संबंधों की दिशा तय करने वाली यात्रा थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री आज भूटान में हैं। 67 साल पहले, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने भूटान की सबसे असाधारण यात्रा की थी। इंदिरा गांधी और जगत मेहता, नारी रुस्तमजी और आपा पंत जैसे कुछ अधिकारियों के साथ, नेहरू ने पहले बागडोगरा के लिए उड़ान भरी और फिर गंगटोक से नाथू ला तक उस सड़क पर चले जो अभी-अभी बनी थी।'

उन्होंने कहा कि यह प्रतिनिधिमंडल 23 सितंबर, 1958 को पारो पहुंचने के लिए पचास किलोमीटर की दूरी तय कर पांच दिनों तक चला तथा उस समय वहां की ऊंचाई 15,500 फुट थी। उन्होंने कहा कि नेहरू और उनकी टीम ने पारो में कई आधिकारिक बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पांच दिन बिताए।

रमेश का कहना है, 'इसके बाद वे उसी रास्ते से वापस नाथू ला की ओर चल पड़े, जिस रास्ते से वे पारो तक पहुंचे थे।'

उन्होंने कहा, 'करीब 69 साल की उम्र में एक प्रधानमंत्री की अत्यंत कठिन परिस्थितियों में यह असाधारण यात्रा, भूटान और भारत के बीच लगभग सात दशकों से चले आ रहे विशेष संबंधों की दिशा तय करने के लिए थी। मेहता, रुस्तमजी और पंत सभी ने उस यात्रा के आनंददायक विवरण छोड़े हैं जिसने राजनयिक इतिहास रचा है।'

संक्षेप...

भदोही जनपद भाजपा के प्रवासी पद की जिम्मेदारी मिली रामविलास पाल को

ठाणे. संघ के साथ में साल 1991 से 1998 तक रामविलास पाल कार्य किया।उन्होंने ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत ग्राम प्रधान से शुरुआत की।इसके साथ ही पार्टी के तमाम पदों पर बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करते हुए 2019 से 2025 तक जौनपुर भाजपा पार्टी के जिलाध्यक्ष पद पर कार्य किया।वर्तमान में पार्टी ने प्रचार प्रसार और लोगों को जोड़ने के लिए भदोही जनपद में प्रवासी पद की कमान सौंपी।

ठाणे मनपा चुनाव - विभिन्न श्रेणियों के आरक्षण की घोषणा

ठाणे. साल 2025 में ठाणे मनपा में होने वाले आम चुनावों हेतु अनुसूचित जाति (महिला), अनुसूचित जनजाति (महिला), पिछड़ा वर्ग (नागरिक), पिछड़ा वर्ग (महिला), सामान्य महिला के लिए आरक्षण निर्धारित करने के लिए आज राम गणेश गडकरी रंगायतन में प्रशासक एवं मनपा आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में आरक्षण ड्रॉ निकाला गया। जिसमें अनुसूचित जाति (महिला) के लिए 5 सीटें, अनुसूचित जनजाति (महिला) के लिए 2 सीटें, पिछड़ा वर्ग (नागरिक) के लिए 18 सीटें और सामान्य (महिला) श्रेणी में 41 सीटें निकाली गईं।प्रशासक एवं मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) प्रशांत रोडे, उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदापुरे, उपायुक्त (चुनाव) उमेश बिरारी, सहायक आयुक्त (चुनाव) बालू पिचड़ मनपा स्कूल के विद्यार्थियों के हाथों उपस्थित थे। संपूर्ण ड्राइंग प्रक्रिया का संचालन उपायुक्त (चुनाव) उमेश बिरारी ने किया। ड्राइंग का संचालन ठाणे मनपा के स्कूल क्रमांक 7 की कक्षा आठवीं की छात्राओं पीहू गौंड और अंशिका प्रजापति ने किया।ठाणे मनपा के आम चुनाव 2025 की जनगणना के अनुसार, कुल जनसंख्या 18,41,488 है। जिसमें अनुसूचित जाति की जनसंख्या 1,26,003 और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 42,698 है। राज्य चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित अनुसार, मनपा की कुल 131 सीटों में से अनुसूचित जाति के लिए 09 सीटें, अनुसूचित जनजाति के लिए 3 सीटें, पिछड़ा वर्ग के लिए 35 सीटें और सामान्य वर्ग के लिए 84 सीटें हैं। कुल 131 सीटों में से 66 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इनमें से 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए, 2 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए, 18 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए और 41 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।ठाणे मनपा में कुल 33 वार्ड हैं। इनमें से 32 वार्ड चार सदस्यीय और 1 वार्ड तीन सदस्यीय हैं। इन 33 वार्डों से ठाणे मनपा में कुल 131 सदस्य चुने जाएँगे। इनकी अंतिम वार्ड संरचना प्रकाशित कर दी गई है।

ठाणे मनपा कुल सीटें - 131

1. सामान्य ओपन श्रेणी – 43 सीटें
2. सामान्य ओपन श्रेणी (महिला) – 41 सीटें
3. पिछड़ा वर्ग के नागरिक – 17 सीटें
4. पिछड़ा वर्ग के नागरिक (महिला) – 18 सीटें
5. अनुसूचित जाति – 04 सीटें
6. अनुसूचित जाति (महिला) – 05 सीटें
7. अनुसूचित जनजाति – 01 सीट
8. अनुसूचित जनजाति (महिला) – 02 सीटें

आरक्षण निर्धारण प्रक्रिया पूर्ण- सौरभ राव

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण निर्धारण का कार्य आज मनपा स्कूलों के बच्चों द्वारा संपन्न हुआ। अब आरक्षण निर्धारण का चरण पूरा हो गया है। इस पर आपत्तियाँ और सुझाव दर्ज कराने की अंतिम तिथि निर्धारित कर दी गई है। प्रशासक एवं मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि मनपा प्रशासन चुनाव की अगली प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार है।ठाणे मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त सौरभ राव ने अपील की है कि आपत्तियाँ और सुझाव मनपा मुख्यालय स्थित शहरी सुविधा केंद्र या सभी नौ संबंधित वार्ड समिति कार्यालयों में प्रस्तुत किए जाएँ।दर्ज की गई आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद आरक्षण की अंतिम अधिसूचना प्रकाशित की जाएगी। ठाणे मनपा के चुनाव विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन और ठाणे नगर निगम के ईमेल पर भेजी गई आपत्तियाँ और सुझाव स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

पोषण भी शिक्षा है प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. पंचाल का मार्गदर्शन

ठाणे. जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पंचाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जीजामाता कामकाजी महिला छात्रावास कोपरी ठाणे स्थित भवन में आयोजित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम ₹पोषण भी शिक्षा है₹ का अवलोकन किया और आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बातचीत की।इस अवसर पर उन्होंने गर्भावस्था से लेकर 6 वर्ष की आयु तक शिशु के विकास में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका, ज़िम्मेदारी और योगदान पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और कहा, ₹आँगनवाड़ी कार्यकर्ता हर बच्चे के जीवन की पहली मार्गदर्शक होती हैं। गर्भावस्था से लेकर बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कार्यकर्ताओं को अपने कार्य के माध्यम से पोषण और शिक्षा का संदेश हर परिवार तक पहुँचाना चाहिए।उन्होंने संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण, शाला-पूर्व शिक्षा और अभिभावकों की सहभागिता पर भी जानकारी दी और प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय बागुल, बाल विकास परियोजना अधिकारी, नवी मुंबई, बाल विकास प रिय ोज न ा अधिकारी, मीरा-भायंदर, सभी मुख्य कार्यकर्ता और प्रशिक्षु आँगनवाड़ी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय बागुल ने कहा कि पोषण भी मध्य भी कार्यक्रम केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बाल विकास के लिए एक व्यापक पहल है। अगर कार्यकर्ता सीखी गई बातों को अपने काम में लागू करें, तो यह बच्चों के भविष्य को संवारने में काफ़ी मददगार साबित होगा

53वीं वार्डस्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी की तैयारी बैठक संपन्न

ठाणे. एफ/एस वार्ड के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के प्राचार्य एवं विज्ञान शिक्षकों की बैठक आज सेंट मेरी हाई स्कूल (एसएससी), मझगांव, मुंबई में संपन्न हुई।यह बैठक 53वीं तालुका स्तरीय (वार्डस्तरीय) बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2025–26 के सफल आयोजन की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।बैठक की अध्यक्षता शिक्षण निरीक्षक, दक्षिण विभाग, परेल, मुंबई ने की। इस अवसर पर वार्ड के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के प्राचार्य एवं विज्ञान शिक्षक उपस्थित थे।बैठक में प्रदर्शनी की रूपरेखा, विषय चयन, विद्यार्थियों की सहभागिता, मूल्यांकन प्रक्रिया एवं समयबद्ध तैयारी को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।शिक्षण निरीक्षक ने विद्यालयों से अपेक्षा व्यक्त की कि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस प्रदर्शनी में भाग लेकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करें।बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि 53वीं वार्डस्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 27 एवं 28 नवम्बर 2025 को सेंट मेरी हाई स्कूल (एसएससी), मझगांव, मुंबई में किया जाएगा।बैठक का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

भिवंडी महानगर पालिका चुनाव प्रभाग आरक्षण ड्रा की घोषणा

भिवंडी. राज्य चुनाव आयोग, महाराष्ट्र के आदेशानुसार, भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर की अध्यक्षता में, भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के 23 वार्डों के लिए वार्ड आरक्षण ड्रा मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे मानसी भारत गड़ा डिग्री कॉलेज (विज्ञान एवं वाणिज्य), शांति चंदन ऑडिटोरियम (हॉल), ग्राउंड अंजुरफाटा, भिवंडी में निकाला गया. उक्त अवसर पर प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर,अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके,उपायुक्त विक्रम दराडे, उपायुक्त क्षीरसागर सहित तमाम जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

मनपा वार्ड आरक्षण विवरण...

1. अनुसूचित जाती 3 सीट, महिलाओं के लिए आरक्षित 2.
2. अनुसूचित जनजाति 1 सीट.
3. पिछड़ा वर्ग श्रेणी 24 सीट, महिलाओं के लिए आरक्षित 12.
4. सामान्य 90 सीट. महिलाओं के लिए आरक्षित 45.

वार्ड वार आरक्षण.

पैनल संख्या - 1
1-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
1-ब - सामान्य महिला
1-क - सामान्य
1-ड - सामान्य

पैनल संख्या - 2
2-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
2-ब- सामान्य (महिला)
2-क- सामान्य
2-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 3
3-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
3-ब- सामान्य (महिला)
3-क- सामान्य
3-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 4
4-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
4-ब- सामान्य (महिला)
4-क- सामान्य
4-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 5
5-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
5-ब- सामान्य (महिला)
5-क- सामान्य (महिला)
5-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 6
6-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
6-ब- सामान्य (महिला)
6-क- सामान्य (महिला)
6-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 7
7-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
7-ब- सामान्य (महिला)
7-क- सामान्य (महिला)
7-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 8
8-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
8-ब- सामान्य (महिला)
8-क- सामान्य (महिला)
8-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 9
9-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
9-ब- सामान्य (महिला)
9-क- सामान्य (महिला)
9-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 10
10-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
10-ब- सामान्य (महिला)
10-क- सामान्य (महिला)
10-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 11
11-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
11-ब- सामान्य (महिला)
11-क- सामान्य (महिला)
11-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 12
12-अ - नागरिकों की पिछड़ा वर्ग श्रेणी
12-ब- सामान्य (महिला)
12-क- सामान्य (महिला)
12-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 13
13-अ - अनुसूचित जनजाति (सामान्य)
13-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
13-क- सामान्य (महिला)
13-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 14
14-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
14-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी
14-क- सामान्य (महिला)
14-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 15
15-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
15-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी
15-क- सामान्य (महिला)

पैनल संख्या - 16
16-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी
16-ब- सामान्य (महिला)
16-क- सामान्य (महिला)
16-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 17
17-अ - अनुसूचित जाति (महिला)
17-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी
17-क- सामान्य (महिला)
17-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 18
18-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
18-ब- सामान्य (महिला)
18-क- सामान्य (महिला)
18-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 19
19-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिलाएं)
19-ब- सामान्य (महिला)
19-क- सामान्य
19-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 20
20-अ - अनुसूचित जाति (महिलाएं)
20-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी
20-क- सामान्य (महिला)
20-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 21
21-अ - अनुसूचित जाति (सामान्य)
21-ब- पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिला)
21-क- सामान्य (महिला)
21-ड- सामान्य

पैनल संख्या - 22
22-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिला)
22-ब- सामान्य
22-क- सामान्य

पैनल संख्या - 23
23-अ - पिछड़ा वर्ग नागरिक श्रेणी (महिला)
23-ब- सामान्य (महिला)
23-क- सामान्य
23-ड- सामान्य.

मनपा वार्ड चुनाव आरक्षण ड्रा को अंतिम संस्तुति के लिए राज्य चुनाव आयोग को भेज दिया गया है.

साहित्यिक प्रतियोगिता में दिखा कवयित्रियों का वर्चस्व

मुंबई की संस्था कभीकवि का आयोजन

मुंबई. मुंबई की साहित्यिक संस्था कभीकवि द्वारा लखनऊ के उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान (निराला सभागृह) आयोजित काव्याक्षरी साहित्यिक स्पर्धा में महिला कवयित्रियों का वर्चस्व नजर आया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देश के जाने माने कवि स्वयं श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर मशहूर कवयित्री प्रीति पांडे की उपस्थिति रही. हास्य कवि कवि सौरभ जायसवाल, योगेश शुक्ला योगी, अवनीश त्रिवेदी 'अभय', राजीव दुबे, कवि नीरज शर्मा, आलोक दीपक मिश्र, शेषमणि शर्मा शेष, सी. एस. 'कृष्णा' सहित कई कवि उपस्थित रहे. कार्यक्रम का आयोजक एवं कभीकवि संस्था के संस्थापक अनिल सुरेश मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया. मधुशाला प्रकाशन भरतपुर द्वारा प्रकाशित काव्याक्षरी के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया गया. काव्य प्रतियोगिता की प्रथम विजेता गीता गुप्ता 'मन' रहीं जिनको 5100 रुपए का नकद पुरस्कार, द्वितीय स्थान पर डॉ. सीमा अग्रवाल एवं अमिता गुप्ता 'नव्या' जिन्हें 4100 रुपए का पुरस्कार दिया गया, तृतीय स्थान पर कवि ब्रह्म स्वरूप मिश्र , संगीता चौहान 'सदफ' अनीस शाह 'अनीस' रहे जिन्हें अलग अलग 3100 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया. चतुर्थ स्थान पर ओमवीर नावरिया, प्रदीप कुमार भारद्वाज, रूपेंद्र गौर 'इटारसी', अर्पित दीक्षित रहे प्रत्येक को 2100 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया. पंचम स्थान पर उवैस अली रौशन, प्रियंका दुबे प्रबोधिनी, डॉ. संजू त्रिपाठी, अंत्रिका सिंह, यमन छौंकर 'यश' रहे प्रत्येक को 1100 रुपए एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार अनिल सुरेश मिश्र ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं कवियों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट एवं माल्यार्पण कर स्वागात किया. कभीकवि द्वारा कवियों को दिया जाने वाला काव्य रश्मि सम्मान, काव्य ऋषि सम्मान एवं काव्य विभूति सम्मान पाने वाले रचनाकारों में अपार हर्ष और उल्लास दिखा. कार्यक्रम में देश विदेश से पधारे तमाम कवियों एवं साहित्यिक हस्तियों ने शिरकत की. बता दें कि कभीकवि देश भर के हिंदी कवियों को प्रचारित प्रसारित करने का एक अनन्य मंच है जो अपनी काव्यलेखन प्रतियोगिताओं एवं काव्यपाठ द्वारा देश विदेश के कवियों को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है.

धर्मेंद्र की हालत नाजुक वेंटिलेटर पर रखा गया

- सलमान-शाहरुख अस्पताल मिलने पहुंचे
- सनी की टीम ने कहा- झूठी अफवाहें न फैलाएं

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार उन्हें सांस लेने में तकलीफ के चलते वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों के मुताबिक धर्मेंद्र के लिए अगले 72 घंटे बेहद मुश्किल हैं।

हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र जी अस्पताल में हैं। डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं। परिवार उनके साथ है। साथ ही एक्ट्रेस ने सभी से धर्मेंद्र की जल्दी सेहतमंदी के लिए दुआ करने को भी कहा है।

वहीं, धर्मेंद्र की हेल्थ को लेकर सनी देओल की टीम ने बयान जारी कर कहा, 'धर्मेंद्र जी की हालत स्थिर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। आगे की जानकारी समय-समय पर शेयर की जाएगी। कृपया उनके स्वास्थ्य को लेकर अफवाहें न फैलाएं। सभी से गुजारिश है कि उनकी जल्दी रिकवरी के लिए दुआ करें और परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें।'

सूत्रों के मुताबिक धर्मेंद्र के परिवार के सदस्य अस्पताल में मौजूद हैं। हेमा मालिनी धर्मेंद्र से मिलने अस्पताल पहुंची हैं। वहीं उनकी दूसरी बेटी अहाना देओल को USA से बुलाए जाने की खबर है। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'इक्कीस' का ट्रेलर भी रिलीज हुआ था, जिसमें उन्होंने दमदार अभिनय किया है।

वहीं एक्टर रितेश देशमुख ने धर्मेंद्र के जल्द ठीक होने की कामना की। रितेश ने कहा, 'मैं धर्मेंद्र सर की सेहत के लिए दुआ कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वो जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।'

बिना पंजीकरण के काम करने वाली संस्थाओं पर कार्रवाई

ठाणे. ठाणे जिले और मुंबई संभाग के विभिन्न जिलों में दिव्यांगजनों के क्षेत्र में काम करने वाली कई संस्थाएँ सरकार के साथ पंजीकरण के बिना काम कर रही हैं। इस पृष्ठभूमि में, दिव्यांग कल्याण विभाग ने ऐसे संगठनों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। राज्य सरकार ने इस अधिनियम के अंतर्गत दिव्यांग कल्याण आयुक्त को सक्षम अधिकारी घोषित किया है। संस्थाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र उनके माध्यम से प्रदान किया जाता है। इस पंजीकरण के बिना संचालन करना कानून का उल्लंघन है, इसलिए ऐसी संस्थाओं के विरुद्ध धारा 91 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।ठाणे जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग की प्रमुख उज्ज्वला सपकाले ने कहा, ₹ठाणे जिले में दिव्यांगों के पुनर्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सभी संस्थाओं को अपना पंजीकरण पूरा कर लेना चाहिए। इसलिए संबंधित संस्थाएँ 30 नवंबर, 2025 से पहले जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कार्यालय में अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्रवाई से बचा नहीं जा सकता।पंजीकरण के लिए संस्थाओं को संबंधित जिले के दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कार्यालय से संपर्क करना चाहिए। प्रस्ताव के साथ संस्था के पंजीकरण दस्तावेज, कार्य का विवरण, लाभार्थियों की जानकारी और सरकारी नियमों के अनुसार आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने चाहिए।बिना पंजीकरण के संचालित संस्थाओं के विरुद्ध दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 91 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा ऐसी संस्थाओं को सरकारी मान्यता, धनराशि या कोई लाभ नहीं दिया जाएगा।

KISHINCHAND CHELLARAM SCHOOL FOR DEAF
Recognised By Govt. of Maharashtra-RCI No. 0109 U. Dise No. 27211604705
(Under the Management of NAV-JEEVAN CIRCLE TRUST)
(Regd. Under The Bombay Public Trust Act. 1950 Wide No. E 342)
O.T. SECTION, ULHASNAGAR-421 003. E-mail : kcfordeaf@gmail.com

Ref. No.: KCSD/2009-10/ Date : दि. 01-04-2010

नवजीवन सर्कल ट्रस्ट संचलित किशनचंद चेलाराम स्कूल फॉर दि डेफ, ओ.टी. सेक्शन, उल्हासनगर-3 या अनुदानित शाळेत खालील पदे भरावयाची आहे.

पद	प्रवर्ग	आर्हता
1. विशेष शिक्षक-3	NT.OBC.S.C	B.A. B.ED.(HI)
2. काळजीवाहक-1	O.B.C	Std.6th Pass

Sd/-
Incharge Head Master
K. C. School For Deaf
O.T. Section, Ulhasnagar-3

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099